सोमवार तड़के चार देश, तुर्की, सीरिया, लेबनान और इजराइल भूकंप से दहल उठे। भूकम्प का केन्द्र तुर्की में था। यहां 12 घंटे में भूकम्प के तीन बड़े व करीब 37 आफ्टर शॉक्स महसूस किये गये। भूकम्प ने तुर्की और सीरिया में भारी तबाही मचाई है। यहां 2200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है तथा 7000 हजार से ज्यादा लोग गम्भीर रूप से घायल हुये हैं। खबरों के मुताबिक, हजारों लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हुये हैं। जानमाल को नुकसान इतना अधिक हुआ है कि, बहुत बड़े पैमाने पर रैस्क्यू ऑपरेशन चलाये जाने के बावजूद सारी व्यवस्थायें और इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। भूकम्प का एपिसेंटर तुर्की का गाजियांटेप शहर था। यह सीरिया बॉर्डर से 90 किमी. दूर है।

चार देशों में भूकम्प से हाहाकार, 2200 से ज्यादा लोगों की मौत

तुर्की, सीरिया लेबनान और साइप्रस में 7000 से ज्यादा लोग गम्भीर रूप से घायल हुये, 3 हजार से ज्यादा घर व मकान पूरी तरह से तबाह हुये

- भूकम्प का केन्द्र तुर्की में था यहां तड़के 4:17 बजे भूकम्प के दो तेज झटके महसूस हुये जिनकी तीव्रता 7.6 व 7.8 थी।
- बी.बी.सी. के मुताबिक तुर्की में एक के बाद एक भूकम्प के 40 झटके महसूस किये गये।
- इज़राइल और फिलीस्तीन में भी भूकंप के कारण जानमान को भारी नुकसान पहुँचा है।

इस्तांबुल/दमिश्क, 6 फरवरी (वार्ता)। तुर्की के दक्षिण में सीरियाई सीमा के पास सोमवार तड़के भूकम्प के जोरदार झटकों से केवल आसपास के पांच देशों में तबाही मच गयी और 2200 लोगों की जान चली गयी। भूकम्प के कारण मकानों भवनों आदि के ढहने से 7000 से अधिक लोग घायल हो गये।

भारत और अमेरिका के अलावा युद्धग्रस्त रूस एवं यूक्रेन समेत कई देशों ने भूकम्प प्रभावित देशों की मदद की पेशकश की है। स्थानीय समाचार एजेंसी के मुताबिक तुर्की में 40 से ज्यादा झटके महसूस किये गये। स्थानीय समयानुसार तड़के 4:17 बजे भूकम्प का एक शक्तिशाली झटके महसूस किये गये। पहले झटकों के कुछ मिनट बाद फिर शक्तिशाली झटके महसूस किया गया जिसमें तुर्की और सीरिया में भारी तबाही मचाई है। अब तक 2200 से अधिक लोगों के मरने की खबर है, जबकि 7000 से अधिक अन्य घायल हैं।

बी.बी.सी. ने तुर्की आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से कहा है कि पूरे इलाके में एक के बाद एक 40 से अधिक झटके महसूस किए गए हैं। तुर्की समेत लेबनान, सीरिया, साइप्रस, इराक, इजरायल और फ़लस्तीन में भी भूकम्प के झटके महसूस किए गए हैं, जहां बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप अर्दोगन ने कहा है कि भूकम्प से अकेले तुर्की में 912 लोगों की मौत हो गई है और 6,000 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। देश में आपातकाल लागू कर दिया है। वहां तेज़ी से राहत और बचाव कार्य किये जा रहे हैं।अधिकारियों के अनुसार सीरिया में भी भूकम्प के कारण भीषण तबाही की ख़बर है। वहां अब तक करीब 1300 लोगों की मौत की ख़बर है।

उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य अभी जारी हैं और हताहतों की सही संख्या की जानकारी जुटाई जा रही है। तुर्की में सोमवार तड़के एक के बाद भूकम्प के दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। बी.बी.सी. ने बताया है कि भूकम्प प्रभावित इलाकों में इमारतों को भारी नुक़सान पहुंचा है।

तुर्की में तेज़ी से बचाव कार्य किये जा रहे हैं, लेकिन अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि अभी भी कई लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। तुर्की में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकम्प आने से हाहाकार मच गया। भूकम्प का प्रभाव इतना तेज था कि इसका असर सीरिया, लेबनान और इजरायल में भी महसूस किया गया। तुर्की में सबसे प्रभावित शहरों में राजधानी अंकारा और नूरदगी समेत 10 शहर रहे। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकम्प का केंद्र गाजियांटेप से लगभग 33 किलोमीटर (20 मील) और नूरदगी शहर से लगभग 26 किलोमीटर दूर था। यह 18 किलोमीटर (11 मील) की गहराई पर केंद्रित था। डेनिश भूवैज्ञानिक संस्थान का कहना है कि तुर्की में भूकम्प के झटके ग्रीनलैंड तक महसूस किए गए हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने ट्विटर पर कहा कि भूकम्प से प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव दलों को तुरंत भेजा गया। हमें उम्मीद है कि हम इस आपदा को एक साथ जल्द से जल्द और कम से कम नुकसान के साथ पार कर लेंगे। तुर्की में दोबारा भूकम्प के तेज झटके महसूस किए गए। इस बार रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.5 मापी गई।

भूकम्प के झटके भारतीय समयानुसार तड़के तीन बजकर 54 मिनट पर महसूस किए गए। इसका केंद्र अंकारा से 427 किलोमीटर दूर जमीन से 10 किमी. अंदर था। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, यह निर्णय लिया गया कि राहत सामग्री के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एन.डी.आर.एफ.) और चिकित्सा दलों को तुर्की गणराज्य की सरकार के समन्वय से तुरंत तुर्की भेजा जाएगा। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एन.डी.आर.एफ. की दो टीमें, विशेष रूप से प्रशिक्षित श्वान दस्ते और आवश्यक उपकरण भूकम्प प्रभावित क्षेत्र में उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।

'केन्द्र सरकार कश्मीर को अफगानिस्तान बनाना चाहती है'

पूर्व मु.मंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा, आर्टिकल 370 को खत्म करके सरकार ने कश्मीर की पहचान को ही खत्म कर दिया है

- पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि, जम्मू कश्मीर में जो हो रहा है वो एक्सट्रीम है। अमेरिका ने अफगानिस्तान में बॉम्बिंग की और एक बार मे उड़ा दिया। मेरे हिसाब से किसी राज्य में इतने बुलडोज़र नहीं गए होंगे जितने जम्मू-कश्मीर में चल रहे हैं।
- मुफ्ती ने कहा, आप कश्मीर जाओगे तो वहां अफगानिस्तान जैसा पाओगे क्योंकि वहां बुलडोजर चल रहा है।

श्रीनगर, 6 फरवरी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू कश्मीर को देश का ताज कहा जाता था लेकिन आज ये मुश्किलों से गुजर रहा है। इनकी हेट पॉलिटिक्स की शुरुआत जम्मू कश्मीर से होती है।

इस समय जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर अफगानिस्तान जैसा लगेगा क्योंकि वहां बुलडोज़र है। मुफ्ती ने कहा कि 370 खत्म करने के बाद हमारी पहचान खत्म हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू कश्मीर में जो हो रहा है वो एक्सट्रीम है। अमेरिका ने अफगानिस्तान में बॉम्बिंग की और एक बार मे उड़ा दिया। मेरे हिसाब से किसी स्टेट में इतने बुलडोज़र नहीं गए होंगे जितने जम्मू-कश्मीर में चल रहे हैं। कश्मीर में अपने ही लोगों को निकाला जा रहा है। ये जम्मू कश्मीर को अफगानिस्तान बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य मंदिर को इंक्रोचमेंट में सरकार दिखा रही है। पहले हिन्दू-मुस्लिम किया, फिर पहाड़ी-गुर्जर और अब अमीर-गरीब की लड़ाई करा रहे हैं।

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोग परेशान हैं। उससे ज़्यादा विपक्ष के नेता को गुजारिश करना चाहती हूं कि आप खामोशी से तमाशा मत देखिए। लोग ई.डी. और एन.आई.ए. का जुल्म सह रहे हैं, आज लोग चिल्ला रहे हैं, चीख रहे हैं।

बदमाशों, ठगों को 45 हजार हेक्टेयर जमीन दी जा रही है जबकि अतिक्रमण विरोधी अभियान के नाम पर कश्मीर के लोगों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा है।

पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीजेपी ने देश के संविधान को ध्वस्त करने के लिए अपने क्रूर बहुमत को हथियार बना लिया, उन्होंने असहमति और न्यायपालिका की आवाज को कुचलने के लिए मीडिया को भी हथियार बना लिया है। पहले हम सोचते थे कि इजरायल फिलिस्तीन के साथ जो करता है, बीजेपी ने उससे सीख ली है, लेकिन अब उन्होंने इसे पीछे छोड़ दिया है, वे जम्मू-कश्मीर को अफगानिस्तान जैसा बनाना चाहते हैं।

मुफ्ती ने कहा कि कश्मीर जाओगे तो अफगानिस्तान जैसा पाओगे क्योंकि वहां बुलडोजर चल रहा है।

अमेरिका में म्यूजिक कार्यक्रम में गोलीबारी, पांच लोगों को गोली लगी

- इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये।

वाशिंगटन, 6 फरवरी (वार्ता)। अमेरिकी राज्य अर्कांसस में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान हुई गोलीबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी।

के.ए.आर.के.-टीवी के अनुसार अंकासर्स के न्यूपोर्ट के एक स्कूल में शनिवार रात अमेरिकी रैपर फ्रेडो बैंग का संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया था और स्थानीय समयानुसार रविवार तड़के लगभग 2.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर गोलीबारी होने की जानकारी मिली।अंकार्सस स्थित टेलीविजन स्टेशन 'के.ए.आर.के.-टीवी' ने न्यूपोर्ट पुलिस विभाग के हवाले से बताया कि गोलीबारी में 19 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में से एक को बेहतर इलाज के लिए विमान से बड़े अस्पताल ले जाया गया है।

'पाक में एक्टिव रॉ एजेंट को सेवा परिलाभ क्यों नहीं?'

- राजस्थान हाई कोर्ट ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय, कैबिनेट सचिव और राज्य के मुख्य सचिव से जवाब मांगा।

जयपुर, 6 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पाकिस्तान में जासूसी के लिए पकड़े गए रॉ एजेंट को रिहाई के बाद पेंशन और अन्य सेवा परिलाभ नहीं देने पर कैबिनेट सचिव, गृह मंत्रालय और राज्य के मुख्य सचिव से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश कुतुबुद्दीन खिलजी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हनुमान चौधरी और अधिवक्ता तरुण चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 1971 में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग में कॉंस्टेबल नियुक्त हुआ था। उसे पाकिस्तान में जासूसी करने भेजा गया था। इस दौरान वर्ष 1973 में पाकिस्तान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के तहत वर्ष 1978 में वह रिहा हुआ। भारत लौटने पर उसे जालंधर जेल में रखा गया। याचिकाकर्ता की पत्नी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और राष्ट्रपति को गुहार की, फिर उसे जालंधर जेल से रिहा किया गया।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने अपने सेवा परिलाभ व पेंशन के लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय सहित अन्य संबंधित अधिकारियों व राज्य सरकार को कई बार लिखित प्रार्थना पत्र पेश किए, लेकिन उसे आज तक सेवा परिलाभ का भुगतान नहीं किया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता अब 75 साल का हो चुका है।

ऐसे में उसे समस्त सेवा परिलाभ, पेंशन और एक मुश्त राशि दी जाए, ताकि वह अपना जीवन यापन कर सके। इसके अलावा उसके बेटे को अनुकंपा नियुक्ति भी दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'शिवाजी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें कहा गया था कि हिन्दू और मुसलमान ईश्वर की संतान है तथा उनमें से किसी एक के प्रति नृशंसता गलत है। बादशाह का काम सबका सम्मान करने का है, और यह नहीं रोका जाता है तो वे अपनी तलवार को काम में लेंगे।"

संत-शिरोमणि रविदास की 647वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बोलते हुए, आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा, "रविदास की महत्ता एवं प्रतिष्ठा तुलसीदास, कबीर और सूरदास की तुलना में कहीं बहुत ज्यादा एवं ऊँची है।" भागवत ने कहा, "यद्यपि संत रविदास शास्त्रार्थ में ब्राह्मओं से नहीं जीत सके थे, फिर भी वे लोगों के हृदयों तक पहुँचने तथा उनके मन में ईश्वर के प्रति विश्वास पैदा करने में सफल रहे थे।"

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की कैद

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम 2, महानगर प्रथम, ने नाबालिग का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर 8 माह तक दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 साल की सजा दी और 80,000 रू. जुर्माना लगाया।

जयपुर, 6 फरवरी (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर आठ माह तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त शिवम उर्फ पप्पू यादव को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 22 वर्षीय इस अभियुक्त पर अस्सी हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि 29 अक्टूबर 2020 को पीड़िता की मां ने मानसरोवर थाने में पीड़िता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पीड़िता को जून, 2021 को कानपुर, यूपी स्थित अभियुक्त के घर से बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़िता ने बताया कि उसके पिता पतासी का ठेला लगाते हैं। अभियुक्त उसके घर में किराए पर रहता था और पिता के ठेले पर काम करता था। इसके बाद लॉकडाउन के चलते वह अपने गांव चला गया। घटना के दिन 29 अक्टूबर को अभियुक्त ने उसे किरण पथ, मानसरोवर बुलाया और खाने के लिए चॉकलेट दी, जिसे खाकर वह बेसुध हो गई। इसके बाद उसे भिवाडी में होश आया। यहां से अभियुक्त डरा धमकाकर उसे अपने घर कानपुर ले गया। जहां अभियुक्त उसे कमरे में बंद करके रखता था और आए दिन दुष्कर्म करता था। इस दौरान अभियुक्त ने उसके साथ जबरन शादी भी कर ली। वहीं एक दिन उसने अपनी मां से फोन पर बात की थी। जिसके कुछ दिनों बाद पुलिस ने आकर उसे अभियुक्त के चंगुल से छुड़ाया। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसका और पीड़िता के पिता के बीच वेतन के भुगतान को लेकर विवाद हो गया था। अभियुक्त पीड़िता को जिस जगह लेकर गया था, वहां कई मकान बने हुए हैं। ऐसे में यदि अभियुक्त उसे जबरन लेकर जाता तो वह शोर मचाकर लोगों को इसकी जानकारी दे सकती थी। दोनों पक्षों को सुनकर अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई।

कर्नाटक में एशिया की सबसे बड़ी हैलिकॉप्टर फैक्टरी स्थापित हुई

तुमकुरु, 6 फरवरी (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राफेल सौदे को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी पर सोमवार को तीखा कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि कर्नाटक में हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) का नया हेलिकॉप्टर कारखाना कई पुराने झूठों और झूठे आरोपों की पोल खोल रही है। मोदी ने यहां इस विशाल कारखाने का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने तुमकुरु जिले के गुब्बी तालुक में एच.ए.एल. कारखाने के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा, ...और मैं कुछ सालों पहले की चीजें आज याद कराना चाहता हूँ, मीडिया वालों का भी जरूर ध्यान जाएगा, यही एच.ए.एल. है जिसे बहाना बनाकर हमारी सरकार पर तरह-तरह के झूठे आरोप लगाए गए। यही एच.ए.एल. है जिसका नाम लेकर लोगों को भड़काने की साजिशें रचीं गईं।

हंगामे व खींचतान के कारण दिल्ली में मेयर का चुनाव तीसरी बार भी टला

- भाजपा चाहती है कि, मनोनीत सदस्यों को भी वोट डालने की इजाजत मिले लेकिन आप पार्टी ऐसा होने नहीं देना चाहती।
- आप पार्टी का कहना है कि, नामित सदस्यों को मेयर के चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं होता है, भाजपा गैरकानूनी व असंवैधानिक तरीके से जबरदस्ती वोट डलवाना चाहती है।
- आप पार्टी का आरोप है कि, भाजपा येन केन प्रकारेण सदन में बहुमत ना होने के बावजूद अपनी पार्टी का मेयर बनवाने पर तुली हुई है।

नई दिल्ली, 6 फरवरी (वार्ता)। दिल्ली नगर निगम के लिए महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति के सदस्यों का चुनाव लगातार तीसरी बार टल गया और हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी।

दिल्ली नगर निगम में सोमवार को हंगामे की वजह से महापौर का चुनाव टालना पड़ा। फिलहाल, अगली तारीख तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी है। इससे पहले, दिल्ली नगर निगम के मेयर पद के लिए सोमवार को एक बार फिर से कवायद शुरू हुई। सदन की बैठक शुरू होते ही पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने ऐलान किया है कि महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव एक साथ होंगे और इसमें नामित सदस्य भी मतदान में हिस्सा लेंगे। नामित सदस्यों के मतदान में हिस्सा लेने की घोषणा के बाद आम आदमी पार्टी ने हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा और आप के सदस्यों की ओर से नारेबाज़ी के कारण सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित की गयी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी हंगामा शुरू हो गया जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

उल्लेखनीय है कि निगम के 250 वार्डों में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 15 साल से दिल्ली नगर निगम में काबिज भाजपा को हराकर 134 वार्डों में जीत दर्ज की थी।

अडानी प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संसद में भी इस मामले में चर्चा कराने से भाग रही है। किसी को भी सीबीआई, ईडी पर भरोसा नहीं है, इसीलिए राहुल गांधी ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से जांच की मांग कर रहे हैं।

मंत्री महेश जोशी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने अपने शासन काल मे केवल अपने मित्र उद्योगपतियों को ही लाभ दिया है। उन्होंने कहा कि फायदे के लिए सारे नियम कायदों को ताक में रख दिया गया है। एलआईसी वाला घोटाला अब बता रहा है कि सारे बड़े टैंडर उन्हें को ही दिए जा रहे हैं। समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष अर्चना शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार अपने उद्योगपतियों को लाभ देने के लिए सब नियम बार-बार तोड़े जा रही है। वह कुछ उद्योगपतियों के कर्जा माफ करती आ रही है, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं किया जा रहा है। धरने में पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, कांग्रेस नेता ललित तूनवाल, जसवंत गुर्जर, रामसिंह कस्वा, पुष्पेंद्र भारद्वाज, शशि गुप्ता, आर आर तिवाड़ी, पार्षद अफजल महबूब, मनोज मुद्गल, बृजेंद्र तिवारी समेत कई अन्य नेता भी शामिल हुए।

'संविदा पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश महेन्द्र चौधरी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता प्रदूषण नियंत्रण मंडल में संविदा के तौर पर 5 अगस्त 2020 को आईटी ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुआ था। इसके बाद से वह लगातार अपने पद पर काम करता आ रहा है। वहीं प्रदूषण मंडल ने गत 9 नवंबर को एक आदेश जारी कर याचिकाकर्ता के पद पर नए संविदाकर्मियों से आवेदन मांगे। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि एक संविदाकर्मी को हटाकर उसके स्थान पर स्थाई कर्मचारी को ही नियुक्त किया जा सकता है। यदि संविदाकर्मी को पद से हटाया जा रहा है तो उसके स्थान पर दूसरे संविदाकर्मी की नियुक्ति नहीं की जा सकती। ऐसे में याचिकाकर्ता के पद पर नए संविदाकर्मी को नियुक्त करने के आदेश पर रोक लगाई जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए याचिकाकर्ता को मौजूदा पद पर कार्य करते रहने के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वयं को कांग्रेस तथा चुनावी राजनीति में कितना सक्रिय रखेंगी।

समझा जाता है कि ए.आई.सी.सी. तथा पी.सी.सी. सदस्यों की सूचियाँ सार्वजनिक नहीं की गई हैं, जबकि कई राज्यों की सूचियाँ तैयार हो चुकी हैं। लेकिन उन राज्यों से कह दिया गया है कि वे अपनी सूचियों को लेकर खामोश रहें तथा उन्हें सार्वजनिक नहीं करें।

ए.आई.सी.सी. सदस्य सी.डब्ल्यु.सी. सदस्यों के लिये वोट करते हैं उसी प्रकार पी.सी.सी. सदस्य भी कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वोट देते हैं यद्यपि पी.सी.सी. सदस्यों की लिस्ट कभी भी जारी नहीं की गई और आरोप थे कि बहुत से फर्जी सदस्य बन गए थे।

अगर चुनाव होते हैं तो बहुत से प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाना चाहेंगे।

विपक्ष चाहता है, अडानी प्रकरण किसी भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाओ, एस.बी.आई. बचाओ", नहीं चलेगी और बेईमानी, बस करो मोदी-अडानी" जैसे नारे लिखे हुये थे।

सांसदों की तख्तियों पर अडानी ग्रुप पर लगे आरोपों की जाँच संयुक्त संसदीय समिति से या सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में कराये जाने की विपक्ष की माँग भी दोहराई गई थी।

तृणमूल कांग्रेस पहले तो उस मीटिंग में शामिल नहीं हुई थी, जो संसद भवन में राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में हुई थी। इस मीटिंग में हिन्डनबर्ग रिपोर्ट में अडानी ग्रुप के खिलाफ लगाये गये आरोपों को लेकर सरकार की खामोशी पर चर्चा हुई थी। इसके अलावा, मीटिंग में इस मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिये संयुक्त रणनीति के प्रतिपादन पर भी चर्चा हुई थी। लेकिन बाद में, तृणमूल कांग्रेस विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गई।

मीटिंग के बाद, विपक्षी दलों ने संसद-परिसर में स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति के आगे प्रदर्शन भी किया तथा अडानी ग्रुप के खिलाफ लगे आरोपों की जाँच के लिये संयुक्त संसदीय समिति गठित किये जाने की माँग की। इस प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा ने भी भाग लिया।

अडानी मुद्दे पर संसद में बहस की माँग कर रहे विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के कारण अभी तक, संसद के किसी भी सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिये धन्यवाद प्रस्ताव भी पेश नहीं हो सका है।

राज्यसभा में टी.एम.सी. के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा है कि संसद की बैठक में अब आगे और अवरोध नहीं डाला जाना चाहिये, क्योंकि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर होने वाली बहस में सदस्यों को मोदी सरकार को "घेरने" का मौका मिलेगा।

लेकिन कांग्रेस सदस्य राज्यसभा के सभापति को कम से कम तीन ऐसे नोटिस दे चुकी है, जिनमें अडानी के मुद्दे पर चर्चा के लिये सभी सूचीबद्ध काम-काज के निलंबन की माँग की गई है।

लोकसभा में भी, इस मामले में चर्चा की माँग पर जोर देते हुये, विपक्षी सदस्यों ने "अडानी सरकार" के नारे लगाये। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु हुई, विपक्षी सदस्यों ने "अडानी सरकार हाय- हाय" तथा जे.पी.सी. लागू करो के नारे लगाने शुरु कर दिये। इस बीच राज्यसभा में, जब सभापति जगदीप धनखड़ ने स्थगन के नोटिस अस्वीकार कर दिये तो अडानी मुद्दे पर चर्चा की माँग करते हुये, विपक्षी सदस्य प्रदर्शन करने लगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने सांसदों को डाँटते हुये कहा कि "नारेबाजी" देश के हित में नहीं है तथा जनता ने उन्हें उसके मुद्दे उठाने के लिये चुना है। राज्यसभा में भी, सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, "यह बात उचित नहीं है कि आप एक ऐसा मंच चुन रहे हैं, जो विषयेतर विचार विमर्श के लिये है। ..... मैं आप लोगों से अपील करता हूँ कि यह समय हमारे लिये यह विचार करने का है कि आम आदमी क्या सोच रहा है।" लेकिन शोर-शराबे के चलते, दोनों सदन अपरान्ह 2 बजे तक के लिये स्थगित कर दिये गये।

जहाँ विपक्ष चाहता है कि यह मुद्दा जन-अदालत में जीवित बना रहे, वहीं सरकार की रणनीति यह प्रतीत हो रही है कि वह मीडिया तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिये अपनी छवि को खराब होने से रोकने की कवायद में लगा रहे।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और उन्हें पदोन्नति से वंचित रखा गया। जैसा कि विदित है कि कॉंस्टेबल, हैड कॉंस्टेबल और ए.एस.आई. के रिक्त पदों की गणना में और फिर उन पदों पर पदोन्नति देने में भारी गड़बड़ी कई सालों से हो रही है, जिससे प्रदेश के हर जिले से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन गड़बड़ियों की वजह से प्रदेश में दो से ढाई हजार एस.आई. के पदों को भरने या पदोन्नति देने में भारी प्रभाव पड़ेगा।

प्रणीत कौर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्नी प्रणीत कौर ने कहा कि ऐसा व्यक्ति जिसने सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा उठाया था वह उनसे सवाल पूछ रहा है। कौर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो चाहे एक्शन ले सकती है। कांग्रेस की डिसिप्लीनरी एक्शन कमेटी के प्रमुख तारिक अनवर को संबोधित पत्र में लिखा है कि, मैं हैरान हूँ कि जिस व्यक्ति ने 1999 में सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर पार्टी छोड़ दी थी और 2019, अर्थात 20 साल, तक पार्टी से बाहर रहा और जिसे खुद अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ा, वह मुझसे अनुशासनात्मक मसले पर सवाल कर रहा है। प्रणीत कौर ने अपने पत्र में लिखा जहां तक एक्शन की बात है आप जो चाहे एक्शन ले सकते हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908